उच्च मूल्य वर्ग के नोटों की उपलब्धता

*399. **श्री बिश्वासराव रामराव पाटिल :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रुपये के घटते मूल्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बैंक में 500 रुपये मूल्य वर्ग के नोटों को पर्याप्त माला में उपलब्ध कराने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार 1000 रुपए मूल्य वर्ग के नोट उपलब्ध कराने का भी विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित मंत्रालय में राज्यमंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री (डा० अबरार अहमद) :

: (क) भारतीय रिजर्व बैंक 3 अक्तूबर, 1987 से बैंकों को 500 रुपए मूल्य वर्ग के नोट जारी करता रहा है। तथापि, मुद्रण क्षमता की कमी के कारण देवास स्थित सरकारी नोट मुद्रणालय भारतीय रिजर्व बैंक की 500 रुपए मूल्य वर्ग के नए नोटों की मांग को पूर्णतः पूरा करने में असमर्थ है।

(ख) जून, 1992 के अन्त तक जारी किए गए 500 रुपए के नोटों की कुल माला और उनका मूल्य क्रमश: 803.5 लाख अदद और 4017.63 करोड़ रुपए था।

(ग) ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

(घ) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

(ङ) भारतीय रिजर्व बैंक ने सरकार को सूचित किया है कि 1000 रुपए मूल्य वर्ग के नोट आरम्भ किए जाने पर विचार करने के लिए समय उपयुक्त नहीं है ।

Telecom Research Centre in the Country

*400. SHRI G. PRATHAPA REDDY :
DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR :

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) what is the total strength of the employees of the Telecom Research Centre and the total amount of money being annually spent on it;

(b) what is the nature of the latest research being done at this Centre;

(c) what is the reason that this Centre has not provided or developed technology relating to cellular telephones and paging devices; and

(d) whether this Centre has become redundant in view of Government's policy of liberalisation by which all latest technology is available ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (*SHRI SUKH RAM*) : (a) to (d) The original Telecom Research Centre (TRC) under Department of Telecommunication set up in 1956 continued till 1988. The manpower of TRC in 1988 was about 450. Thereafter the TRC was bifurcated into "TRC Society" and "Telecom Engineering Centre (TEC)". The TRC Society was entrusted with exclusing development of Transmission systems. The "TRC Society" *subsequently* was merged with Centre for Development of Telematics in 1989. TEC continues to function to carry-out activities such as standardisation, validation of systems, validation of products for induction to DOT network, study and field trial of new technologies, minor development works to meet DOT's operation and maintenance requirements and has a strength of about 389.

The C-DOT was created as an autonomous society for the development of switching system in 1984. Now all the research

and development activities are being done by Centre for Development of Telematics (C-DOT).

The C-DOT has manpower of 939 employees and the annual expenditure for the current financial year is estimated at Rs. 41.55 crores.

The C-DOT is engaged in design and development of state-of-the art switching & transmission technologies.

The development of Cellular Telephone system and paging devices are not in the priority development of C-DOT.

The recent liberalisation of the Government Policy will not affect the C-DOT. The C-DOT designed and developed exchanges are most appropriate to suit climatic conditions of rural India.

पटना हवाई अड्डे का विस्तार

3363. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यात्रियों की सुविधा के लिए पटना हवाई अड्डे का निर्माण अथवा विस्तार करने की कोई योजना है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) 5.81 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से आधुनिक यात्री सुविधाओं सहित, टर्मिनल भवन का विस्तार तथा उसमें सुधार करके, पटना हवाई अड्डे को मॉडल हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जा रहा है ।

Vayudoot services from Ludhiana

3364. SHRI JAGIR SINGH DARD : Will the Minister of CIVIAL AVIATION & TOURISM be pleased to state :

(a) whether Vayudoot services are in operation from Ludhiana to Delhi; if so, what are the details thereof;

(b) whether Government of Punjab have requested the Central Government for the increase of flight of Vayudoot from Ludhiana to Delhi;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) what is the reaction of Government thereto ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) Vayudoot is at present operating six days a week Dornier services on the route Delhi-Ludhiana-Chandigarh-Delhi.

(b) to (d) Vayudoot has received a request from the Government of Punjab for increasing the present frequency of one flight to two flights a day. The present load does not warrant operation of two flights a day to Ludhiana.

प्राइवेट एजेंसियों को अपने विमान चलाने की अनुमति

3365. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल :**

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार ने 31 जनवरी, 1993 की स्थिति के अनुसार कितनी प्राइवेट एजेंसियों को अपने विमान चलाने की अनुमति प्रदान की है और उन एजेंसियों के नाम क्या हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : 31-1-1993 तक निम्नलिखित ग्यारह प्रचालकों को हवाई टैक्सी सेवाएं चलाने की अनुमति दी गई थी ।

1. मैसर्स इंडिया इंटरनेशनल एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड ।
2. मैसर्स दिल्ली गल्फ एयरवेज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ।